नियुक्ति हेतु विज्ञापन

एनसीवीबीडीसी (NCVBDC) के बारे में:

राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण केंद्र)NCVBDC), जो स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय)Dte.GHS), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय)MoHFW), भारत सरकार)GoI) के अंतर्गत कार्य करता है, एक समेकित कार्यक्रम राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम)NVBDCP) का संचालन करता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वेक्टर जनित रोगों जैसे – मलेरिया, जापानी इंसेफेलाइटिस, डेंगू, चिकनगुनिया, कालाजार और लिम्फेटिक फाइलेरियासिस – की रोकथाम और नियंत्रण है। इनमें से तीन रोग मलेरिया), लिम्फेटिक फाइलेरियासिस और कालाजार(को उन्मूलन के लक्ष्य के रूप में निर्धारित किया गया है।

ग्लोबल फंड टू फाइट एड्स, ट्यूबरकुलोसिस और मलेरिया)GFATM) के अनुदान चक्र 7 (2024-27) के अंतर्गत समर्थित -परियोजना उन्मूलन मलेरिया तीव्रित'3 (IMEP-3) के तहत राष्ट्रीय स्तर पर गैर चयन का एसआर-संगठन सरकारी-एचआर (HR) और एसबीसीसी (SBCC) गतिविधियों के लिए बजटित गतिविधि है, जिसके लिए पीसीआई इंडिया को एनजीओएसआर- (NGO-SR) के रूप में चयनित किया गया है।

(i) राष्ट्रीय परियोजना प्रबंधन इकाई)NPMU) में तकनीकी विशेषज्ञों की एक टीम होगी, जो मलेरिया नियंत्रण**,** प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण**,** निगरानी और मूल्यांकन (M&E)**,** आईएचआईपी)IHIP) के प्रभावी अनुश्रवण एवं सुचारू क्रियान्वयन**,** SBCC**,** सूचना एवं प्रौद्योगिकी, तथा वित्त के क्षेत्रों में तकनीकी सहयोग करेगी।

(ii) आईईसी) एसबीसीसी/बीसीसी/IEC/BCC/SBCC) गतिविधियों को सुदृढ़ करना और IEC/BCC अभियान - समुदाय में जागरूकता, सहभागिता और भागीदारी सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। एनजीओ-अनुरूप के नवाचारों और आवश्यकताओं स्थानीय की राज्यों एसआर राज्य आधारित रणनीतियाँ और योजनाएँ विकसित करेगा, ताकि विभिन्न समूहों तक सबसे उपयुक्त माध्यमों, सामग्रियों और गतिविधियों के माध्यम से स्थानीय संस्कृति के अनुरूप संदेश पहुँचा सके। नवीनतम प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए मल्टीमीडिया आधारित दृष्टिकोण अपनाया जाएगा ताकि लक्षित आबादी तक, जिसमें वर्चुअल प्लेटफ़ॉर्म भी शामिल हैं, मलेरिया उन्मूलन और उसकी स्थायित्व से संबंधित संदेश प्रभावी रूप से पहुँचाए जा सकें। नवाचारी हस्तक्षेपों के अलावा, सभी संबंधित हितधारकों के साथ वकालत)advocacy) और जन अभियानों)mass campaigns) का विकास भी किया जाएगा ताकि मलेरिया की रोकथाम, नियंत्रण और उन्मूलन के विभिन्न पहलुओं को संबोधित किया जा सके।

पीसीआई इंडिया (PCI India) का परिचय:

पीसीआई इंडिया, भारत में एक पंजीकृत संस्था है जो पिछले 26 वर्षों से भारत में कार्यरत है। हम समुदायों के जीवन को बड़े पैमाने पर बदलने के लिए जटिल विकासात्मक चुनौतियों के समाधान हेतु प्रभावी हस्तक्षेप लागू करने में प्रयासरत हैं। पिछले वर्ष, पीसीआई इंडिया ने 202 जिलों के 15 राज्यों में 1.7 करोड़ लोगों तक पहुंच बनाई है।

विज़न -- सभी के लिए खुशहाल, स्वस्थ, सुरक्षित और सतत संसार
मिशन – हम सामुदायिक वास्तविकताओं के मूल में गहराई से जुड़े हैं, और जटिल विकास समस्याओं के सतत समाधान को सह-निर्मित और विस्तार करते हैं

पद का विवरण

पदनाम :राष्ट्रीय सलाहकार – आईईसी/बीसीसी
पदों की संख्या :01
स्थान एनसीवीबीडीसी – (NCVBDC), दिल्ली

उद्देश्य: विभिन्न राज्यों में राष्ट्रीय पर स्तर जिला-उप/जिला/राज्य/GFATM समर्थित *इंटेंसिफाइड मलेरिया एलीमिनेशन प्रोजेक्ट)IMEP-3)* के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण केंद्र (NCVBDC) का समर्थन

करना। यह पद, जो NCVBDC में होगा, साक्ष्यलेने निर्णय आधारित- में विभिन्न स्तरों पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, देश के सभी राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में मलेरिया उन्मूलन को सुगम बनाने एवं उसे सतत बनाए रखने के लिए प्रभावी एवं दक्ष IEC/BCC रणनीतियाँ और कार्यक्रम में कुशलता और प्रभावशीलता लाने में योगदान देगा, ताकि योजना बनाने और उसके कार्यान्वयन के बीच अंतर को पाटा जा सके।

<u>कार्य दायित्व:</u>

- राज्य/जिला परामर्शदाताओं द्वारा रणनीतिक योजना के अनुरूप आईईसी/बीसीसी (IEC/BCC) गतिविधियों के क्रियान्वयन का पर्यवेक्षण, अनुश्रवण एवं सहयोग करना, ताकि मलेरिया की रोकथाम एवं नियंत्रण से संबंधित ज्ञान, जागरूकता, मान्यताओं और व्यवहार, बाधाओं तथा व्यक्ति/परिवार/समुदाय स्तर पर उपयुक्त व्यवहारों को अपनाने की स्थिति को समझते हुए समुदायिक भागीदारी और सहभागिता को सुदृढ़ किया जा सके।
- विभिन्न स्तरों पर मानव संसाधन (HR) का पर्यवेक्षण एवं अनुश्रवण करना, उनकी मासिक गतिविधि रिपोर्टों (जिसमें LQAS रिपोर्टें भी शामिल हैं) का विश्लेषण करना, जो समुदायों के स्वास्थ्य-सेवा अपनाने वाले व्यवहार (विशेषतः मलेरिया) को प्रभावित करने वाले व्यवहारगत पहलुओं से संबंधित हों, तथा उन्हें उपयुक्त फीडबैक प्रदान करना।
- मलेरिया एवं अन्य वाहक जनित रोगों (VBDs) के संदर्भ में IEC/BCC योजनाओं एवं संचार रणनीतियों के निर्माण/क्रियान्वयन में संलग्न राज्य/जिला टीमों तथा NGO-SRs के साथ समन्वय, पर्यवेक्षण एवं सुगमता प्रदान करना; आवश्यकता अनुसार समस्या-समाधान एवं आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाना, ताकि परियोजना/कार्यक्रम का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।
- पंचायतों, स्थानीय स्वयंसेवी संस्थाओं, महिला मंडलों, स्वयं सहायता समूहों तथा अन्य सामुदायिक समूहों को सहभागी बनाने के लिए रणनीतियों का विकास करना एवं उनके क्रियान्वयन में सुविधा प्रदान करना, जिसमें स्थानीय जनजातीय में आदिवासी समुदाय के लिए जागरूकता विकास योजना भी शामिल हो, ताकि समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।
- परियोजना/कार्यक्रम के सामाजिक अनुसंधान पहलू को सुदृढ़ करना। वह सामाजिक अनुसंधान के निष्कर्षों को कार्यक्रम में शामिल करने के तौर-तरीकों का सुझाव देगा/देगी, ताकि विभिन्न माध्यमों की प्रभावशीलता का आकलन किया जा सके और प्रभावी माध्यमों की पहचान की जा सके।
- राष्ट्रीय एवं राज्य/जिला स्तर पर फेसबुक, यूट्यूब, ट्विटर आदि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों तथा कार्यक्रम वेबसाइट एवं अन्य सोशल मीडिया मंचों के लिए उपयुक्त रचनात्मक ग्राफिक्स एवं सामग्री का समन्वय, बनाने में मदद करना, जिसमें लेखन, संपादन तथा कहानियों एवं सोशल मीडिया संदेशों को बनाना एवं प्रसारण शामिल होगा।
- राज्य/जिला स्तर के VBDCPs को व्यवहार परिवर्तन पर प्रभाव डालने वाली बीसीसी(BCC)/सामाजिक लामबंदी रणनीतियों तथा गतिविधियों/अभियानों के डिज़ाइन और क्रियान्वयन में सहयोग, पर्यवेक्षण, अनुश्रवण एवं मार्गदर्शन प्रदान करना। साथ ही आईपीसी (IPC) (फ्लिप चार्ट, फ्लैश कार्ड आदि), समूह परामर्श (चार्ट एवं चित्रात्मक सामग्री), सामाजिक लामबंदी (हाट, मेला, लोक मीडिया, त्योहार, महत्वपूर्ण दिवस), कार्यक्रम संचार (ऑडियो-वीडियो स्क्रिप्ट, गीत सामग्री आदि) तथा अधिवक्ता गतिविधियों (मीडिया, PRI आदि) के लिए उपयुक्त सामग्री का विकास करना।
- NCVBDC की अन्य टीमों, क्षेत्रीय एवं राज्य स्तरीय साझेदारों, मीडिया एजेंसियों, सहयोगी संस्थाओं तथा फील्ड स्टाफ के साथ समन्वय एवं तकनीकी सहयोग प्रदान करना, ताकि व्यवहार परिवर्तन संचार (BCC) से जुड़ी गतिविधियों/अभियानों की एकीकृत योजना, प्रभावी क्रियान्वयन एवं सतत निगरानी सुनिश्चित की जा सके तथा गुणवत्तापूर्ण और अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन परिणाम प्राप्त किए जा सकें।
- राष्ट्रीय, राज्य, जिला एवं उप-जिला स्तरों पर एनसीवीबीडीसी (NCVBDC) एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों का ऑनलाइन तथा प्रत्यक्ष रूप से प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण करना; तथा आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण सामग्री एवं मॉड्यूल का विकास, परीक्षण एवं अंतिम रूप देना।
- महत्वपूर्ण एवं तकनीकी सूचनाओं का आदान-प्रदान करना, बीसीसी (BCC) /सामाजिक लामबंदी से संबंधित मुद्दों का अनुश्रवण/समाधान/आवश्यक सहयोग करना, तथा नियोजित अनुसार परिणाम सुनिश्चित करना।
- राज्यों में की गई आईईसी(IEC) /बीसीसी (BCC) /सामाजिक लामबंदी संबंधी गतिविधियों का वार्षिक प्रतिवेदन संकलित करना।

- राज्य/केंद्र शासित प्रदेश/जिला स्तर पर नियमित फील्ड विज़िट (प्रति माह कम से कम 10 दिन) करना, ताकि स्थिति का विश्लेषण किया जा सके, आईईसी/बीसीसी (IEC/BCC) गतिविधियों के क्रियान्वयन की निगरानी की जा सके, कमियों की पहचान की जा सके तथा आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। साथ ही स्वास्थ्य संस्थानों/गांवों की अधिकतम पहुँच और संसाधनों के प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करना।
- मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम की सर्वोत्तम प्रथाओं, रणनीतियों, उपलब्धियों, अनुभवों आदि का दस्तावेजीकरण एवं प्रकाशन तथा प्रसार कार्यशालाओं, बैठकों, विशेष आयोजनों आदि के आयोजन के माध्यम से उनका व्यापक प्रसार करना।
- यह सुनिश्चित करना कि विकसित किए गए सभी उत्पाद एवं रणनीतियाँ संवेदनशील समुदायों, विशेषकर आदिवासी समुदायों, की आवश्यकताओं के अनुरूप अनुकूलित हों
- रिपोर्टिंग प्राधिकरण द्वारा सौंपे गए अन्य कार्यों का निष्पादन करना।

योग्यता एवं अनुभव

पद का नाम	शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव	मानदेय (प्रति माह)
राष्ट्रीय सलाहकार – आईईसी/बीसीसी (National Consultant-IEC/BCC)	मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से जनसंचार (Mass Communication) /पत्रकारिता (Journalism)/सामाजिक विज्ञान (Social Sciences) /विकास अध्ययन (Development Studies) या सम्बन्धित क्षेत्र में स्नातकोत्तर डिग्री, जिसमें सामाजिक एवं व्यवहार परिवर्तन संचार (SBCC) तथा अनुसंधान की समझ हो, साथ ही कम से कम 5 वर्ष का प्रासंगिक कार्यानुभव जैसे कि SBCC सामग्री का डिज़ाइन करना, तथा राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में राज्य संगठनों/एनजीओ के साथ IEC/BCC अभियानों का कार्यान्वयन। **वांछनीय योग्यताएँ –** • बड़े पैमाने के विकास कार्यक्रमों / राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, निजी संगठनों या कॉर्पोरेट क्षेत्र के साथ कार्य करने का अनुभव। • सरकारी स्वास्थ्य परियोजनाओं के प्रबंधन से संबंधित ज्ञान एवं कौशल।	₹1,25,000 – ₹1,50,000

आवश्यक कौशल:

- एमएस वर्ड (MS Word), एक्सेल (Excel), पावर पॉइंट (Power Point) तथा वेब सर्फिंग जैसे सामान्यतः उपयोग में आने वाले सॉफ्टवेयर/पैकेजों पर कंप्यूटर दक्षता।
- ज्ञान साझा करने हेतु आईटी-आधारित प्लेटफॉर्म्स का सुदृढ़ ज्ञान।
- उत्कृष्ट संचार (मौखिक एवं लिखित) एवं प्रस्तुतीकरण कौशल, विश्लेषणात्मक दक्षता तथा बेहतर अंतर-व्यक्तिगत कौशल।
- बहु-विषयक टीम वातावरण में प्रभावी ढंग से कार्य करने की क्षमता।

नियुक्ति का स्वरूप:

नियुक्ति प्रारंभ में एक वर्ष के अनुबंध के आधार पर की जाएगी, जिसके पश्चात् कार्य निष्पादन मूल्यांकन प्रदर्शन कार्य), व्यक्तिगत गुण, कार्यात्मक दक्षता आदि के आकलनइसे पर आधार के (वार्षिक रूप से समयावधि निर्धारित या) तक(बढ़ाया जा सकता है।

रिपोर्टिंग:
रिपोर्टिंग GFATM के नोडल अधिकारी को होगी, जिसके तहत NCVBDC के निदेशक की समग्र निगरानी में कार्य किया जाएगा।

आयु सीमा: अधिकतम 45 वर्ष और व्यापक रूप से यात्रा के लिए तैयार होना चाहिए।

समाप्ति: कोई भी पक्ष लिखित रूप में एक माह का नोटिस देकर अनुबंध समाप्त कर सकता है।

चयन: चयन और नियुक्ति विज्ञापन के माध्यम से की जाएगी, उसके बाद शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों के लिए लिखित परीक्षाहोगा। साक्षात्कार/

आवेदन की प्रक्रिया:
इच्छुक उम्मीदवार निम्नलिखित लिंक का उपयोग करके पद के लिए आवेदन कर सकते हैं :एनसीवीबीडीसी (NCVBDC), एनसीडीसी (NCDC), पीसीआई इंडिया (PCI India), डेवनेट (DevNet) & लिंकडीन (Linkedin). आवेदन करने की अंतिम तिथि **29 दिसंबर 2025** है
https://www.pciglobal.in/jobs/national-consultant-iec-bcc/

पीसीआई इंडिया कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार के अनुचित व्यवहार को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें यौन उत्पीड़न, शोषण, दुरुपयोग, नैतिकता का अभाव या वित्तीय कदाचार शामिल हैं।